Result Mitra
दैनिक जागरण
The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE
दैनिक भास्कर
THE HINDU
जनसत्ता
Daily
CURRENT
AFFAIRS
IAS/PCS
अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान
11 January

Quote of the Day

**जिंदगी में वही लोग सफल होते हैं,
जो विपरीत परिस्थितियों में भी
अपनी राह ढूंढ लेते हैं।**

Result Mitra

Result Mitra

मराठी भाषा को आधिकारिक रूप से शास्त्रीय भाषा का दर्जा

मराठी भाषा को आधिकारिक रूप से शास्त्रीय भाषा का दर्जा

Result Mitra

- 8 जनवरी को एक सरकारी संकल्प (जीआर) जारी होने के साथ मराठी भाषा को आधिकारिक रूप से शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्रदान किया गया है।
- इस दौरान, केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने दिल्ली में महाराष्ट्र के मराठी भाषा मंत्री उदय सामंत से मुलाकात की और उन्हें शास्त्रीय भाषा के रूप में मराठी को मान्यता देने वाला सरकारी आदेश सौंपा।

मराठी भाषा को आधिकारिक रूप से शास्त्रीय भाषा का दर्जा

Result Mitra

- यद्यपि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 3 अक्टूबर, 2024 को असमिया, बंगाली, पाली, प्राकृत के साथ मराठी को भी शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्रदान किया था, परंतु तब तक इस संबंध में कोई आधिकारिक अधिसूचना जारी नहीं हुई थी।

मराठी भाषा को आधिकारिक रूप से शास्त्रीय भाषा का दर्जा

Result Mitra

- श्री सामंत ने इसे महाराष्ट्र और दुनिया भर में मराठी भाषियों के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह उनके लिए एक सपने के साकार होने जैसा है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि महाराष्ट्र सरकार जल्दी ही केंद्र सरकार को एक प्रस्ताव सौंपेगी, जिसमें शास्त्रीय भाषाओं को मिलने वाले लाभों को रेखांकित किया जाएगा।

मराठी भाषा को आधिकारिक रूप से शास्त्रीय भाषा का दर्जा

Result Mitra

- इसके अतिरिक्त, सामंत ने बताया कि केंद्रीय मंत्री शेखावत 3 जनवरी और 2 फरवरी को पुणे में मराठी विश्व सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे।
- कुल मिलाकर, तमिल 2004 में शास्त्रीय भाषा का दर्जा पाने वाली पहली भाषा थी, जबकि संस्कृत को 2005 में यह दर्जा मिला।

मराठी भाषा

- मराठी भाषा, पश्चिमी और मध्य भारत की इंडो-आर्यन भाषा। इसकी सीमा मुंबई के उत्तर से लेकर पश्चिमी तट से गोवा होते हुए पूर्व की ओर दक्कन तक फैली हुई है; 1966 में यह महाराष्ट्र राज्य की आधिकारिक भाषा बन गई।

Result Mitra

शास्त्रीय भाषा

- शास्त्रीय भाषा का मतलब है, 1,500 साल से ज़्यादा पुरानी भाषा यानी सबसे वरिष्ठ भाषा.
- शास्त्रीय भाषाओं का इतिहास कम से कम 1,500-2,000 साल पुराना होता है.
- इन भाषाओं में साहित्य, ग्रंथ, और वक्ताओं की प्राचीन परंपरा होती है.

Result Mitra

शास्त्रीय भाषा

- इन भाषाओं का साहित्यिक परंपरा का उद्भव दूसरी भाषाओं से नहीं होता.
- शास्त्रीय भाषाओं में स्वतंत्र साहित्यिक परंपरा और प्राचीन लिखित साहित्य का पर्याप्त भंडार होता है.
- इन भाषाओं का अक्सर ऐतिहासिक महत्व होता है.
- कई शास्त्रीय भाषाएं अब मूल भाषा के रूप में नहीं बोली जातीं, लेकिन वे आधुनिक भाषाओं और संस्कृतियों को प्रभावित करती रहती हैं.

Result Mitra

शास्त्रीय भाषा

भारत की शास्त्रीय भाषाएं:

- असमिया, बंगाली, कन्नड़, मलयालम, मराठी, ओडिया, पाली, प्राकृत, संस्कृत, तमिल, तेलुगु.

Result Mitra

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और सही उत्तर का चयन करें:

कथन 1: भारत में किसी भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने के लिए उसकी प्राचीनता कम से कम 1500-2000 वर्षों की होनी चाहिए।

कथन 2: असमिया, बंगाली, कन्नड़, मलयालम, मराठी, ओडिया, पाली, प्राकृत, संस्कृत, तमिल और तेलुगु भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया है।

कथन 3: भारत में कुल 11 भाषाओं को अब तक शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्राप्त है।

सही विकल्प चुनें:

(A) केवल कथन 1 और 2 सही हैं।

(B) केवल कथन 2 और 3 सही हैं।

(C) केवल कथन 1 और 3 सही हैं।

(D) उपरोक्त सभी कथन सही हैं।

Result Mitra

विश्व हिंदी दिवस एवं हिंदी की वैश्विक पहचान और महत्व

विश्व हिंदी दिवस एवं हिंदी की वैश्विक पहचान और महत्व

Result Mitra

- आज, 10 जनवरी 2025, को विश्व हिंदी दिवस मनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य हिंदी भाषा के वैश्विक प्रचार-प्रसार और महत्व को उजागर करना है।
- इस वर्ष की थीम है: 'हिंदी: एकता और सांस्कृतिक गौरव की वैश्विक आवाज़'।
- विश्व हिंदी दिवस की शुरुआत 10 जनवरी 2006 को भारत सरकार ने की थी, ताकि हिंदी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक प्रतिष्ठा मिल सके।

विश्व हिंदी दिवस एवं हिंदी की वैश्विक पहचान और महत्व

- यह दिन विशेष रूप से विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों और विश्वभर के हिंदी प्रेमियों द्वारा मनाया जाता है, जिससे हिंदी भाषा की वैश्विक पहचान और सम्मान को बढ़ावा मिलता है।
- हिंदी भाषा की वैश्विक पहचान निरंतर बढ़ रही है। मीडिया से लेकर समकालीन लेखकों तक, हिंदी ने अभिव्यक्ति की एक महत्वपूर्ण भाषा के रूप में अपनी पहचान बनाई है।

विश्व हिंदी दिवस एवं हिंदी की वैश्विक पहचान और महत्व

Result Mitra

- आज, हिंदी न केवल भारत में, बल्कि विश्वभर में करोड़ों लोगों द्वारा बोली और समझी जाती है, जो भारतीय संस्कृति और मूल्यों के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

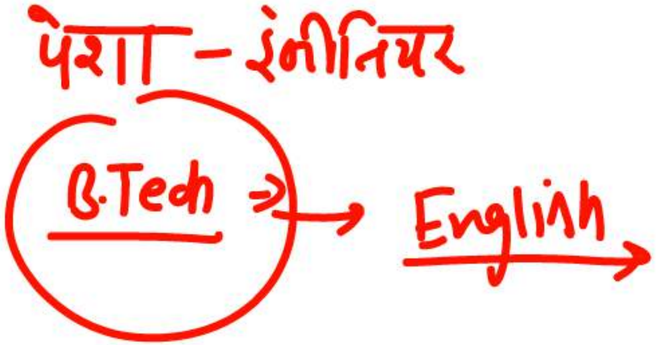

विश्व हिंदी दिवस एवं हिंदी की वैश्विक पहचान और महत्व

Result Mitra

- विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर, विभिन्न कार्यक्रमों, संगोष्ठियों और सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से हिंदी भाषा के महत्व और उसकी वैश्विक भूमिका पर चर्चा की जाती है। इससे हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता बढ़ती है और नई पीढ़ी को इसके अध्ययन और उपयोग के लिए प्रेरित किया जाता है।

हिंदी भाषा का विकास

- हिन्दी भाषा का विकास लगभग 1,000 सालों का है. हिन्दी भाषा का विकास तीन चरणों में हुआ है - आदिकाल, मध्यकाल, और आधुनिक काल. हिन्दी भाषा का विकास संस्कृत से हुआ है.
- हिन्दी को भारत की राजभाषा 14 सितंबर, 1949 को घोषित किया गया था. इस दिन को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है.

हिंदी भाषा का विकास

हिन्दी भाषा के विकास की प्रमुख घटनाएं:

- आदिकाल में डिंगल और पिंगल जैसी हिन्दी बोलीयों का विकास हुआ.
- मध्यकाल में सूरदास, तुलसीदास, मीराबाई, मलिक मोहम्मद जयासी जैसे कवियों ने हिन्दी को नई ऊंचाइयां दीं.
- आधुनिक काल में खड़ी बोली का विकास हुआ.

हिंदी भाषा का विकास

हिन्दी भाषा के विकास की प्रमुख घटनाएं:

- भारतेंदु हरिश्चंद्र को आधुनिक हिन्दी साहित्य का जनक माना जाता है.
- 14 सितंबर, 1949 को हिन्दी को भारत की राजभाषा घोषित किया गया.
- हिन्दी भाषा के विकास में योगदान देने वाले कुछ और लोग: लल्लू जी लाल, सदासुख लाल, सदल मिश्र, इंशा अल्ला खां, महावीर प्रसाद द्विवेदी.

CURRENT AFFAIRS QUIZ

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और सही उत्तर का चयन करें:

कथन 1: विश्व हिंदी दिवस का उद्देश्य हिंदी भाषा के वैश्विक प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देना है।

कथन 2: हिंदी को भारत की राजभाषा 14 सितंबर, 1949 को घोषित किया गया था।

कथन 3: आधुनिक हिंदी साहित्य के जनक भारतेंदु हरिश्चंद्र को माना जाता है।

कथन 4: विश्व हिंदी दिवस पहली बार 10 जनवरी 2006 को मनाया गया।

सही विकल्प चुनें:

(A) केवल कथन 1, 2 और 3 सही हैं।

(B) केवल कथन 1 और 4 सही हैं।

(C) केवल कथन 1, 3 और 4 सही हैं।

(D) उपरोक्त सभी कथन सही हैं।

गिद्धों के संरक्षण के लिए निमेसुलाइड पर प्रतिबंध एवं गिद्ध का पर्यावरण में योगदान

गिद्धों के संरक्षण के लिए निमेसुलाइड पर प्रतिबंध एवं गिद्ध का पर्यावरण में योगदान

Result Mitra

- केंद्र सरकार ने गिद्धों के संरक्षण के लिए पशु चिकित्सा में उपयोग होने वाली दर्द निवारक दवा निमेसुलाइड पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह दवा गिद्धों के लिए अत्यधिक विषैली मानी जाती है और उनके तेजी से घटती संख्या का एक प्रमुख कारण रही है।

गिद्धों के संरक्षण के लिए निमेसुलाइड पर प्रतिबंध एवं गिद्ध का पर्यावरण में योगदान

Result Mitra

- गिद्ध पर्यावरण के स्वच्छता कर्मी होते हैं, जो मृत पशुओं के अवशेषों को खाकर पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखते हैं। वे बीमारियों के प्रसार को रोकने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

गिद्धों के संरक्षण के लिए निमेसुलाइड पर प्रतिबंध एवं गिद्ध का पर्यावरण में योगदान

Result Mitra

- गिद्धों की घटती संख्या के कारण पर्यावरण में असंतुलन उत्पन्न हो रहा है, जिससे अन्य मांसाहारी जीवों की संख्या में वृद्धि और बीमारियों के प्रसार का खतरा बढ़ रहा है। इसलिए, निमेसुलाइड पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय गिद्धों के संरक्षण और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।
- पशु चिकित्सा में दर्द निवारक दवा के तौर पर निमेसुलाइड का इस्तेमाल किया जाता है. यह एक नॉनस्टेरॉइडल एंटी-इंफ़्लेमेटरी दवा (एनएसएआईडी) है.

गिद्धों के संरक्षण के लिए निमेसुलाइड पर प्रतिबंध एवं गिद्ध का पर्यावरण में योगदान

Result Mitra

- इसका इस्तेमाल कुत्तों में ऑस्टियोआर्थराइटिस से जुड़े दर्द और सूजन को कम करने के लिए किया जाता है. हालांकि, केंद्र सरकार ने पशुओं पर निमेसुलाइड के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है.

गिद्धों के संरक्षण के लिए निमेसुलाइड पर प्रतिबंध एवं गिद्ध का पर्यावरण में योगदान

Result Mitra

निमेसुलाइड के बारे में

- निमेसुलाइड, COX-2 एंजाइम को लक्षित करके काम करती है. यह एंजाइम सूजन और दर्द का कारण बनता है.
- निमेसुलाइड का इस्तेमाल बुखार, मांसपेशियों के दर्द, पीठ दर्द, दांत के दर्द या कान और गले के दर्द से राहत पाने के लिए भी किया जाता है.

गिद्धों के संरक्षण के लिए निमेसुलाइड पर प्रतिबंध एवं गिद्ध का पर्यावरण में योगदान

Result Mitra

निमेसुलाइड के बारे में

- निमेसुलाइड का इस्तेमाल जिगर और गुर्दे की शिथिलता वाले जानवरों में सावधानी से करना चाहिए.
- निमेसुलाइड का इस्तेमाल हाइपोटेंशन वाले जानवरों में नहीं करना चाहिए.
- निमेसुलाइड गिद्धों के लिए बहुत ज़हरीली है.

गिद्धों के संरक्षण के लिए निमेसुलाइड पर प्रतिबंध एवं गिद्ध का पर्यावरण में योगदान

Result Mitra

गिद्ध पक्षी की कई विशेषताएं हैं, जैसे कि:

- गिद्धों की दृष्टि बहुत तेज होती है.
- इनकी चोंच टेढ़ी और मज़बूत होती है.
- गिद्ध झुंडों में रहते हैं.
- ये कत्थई और काले रंग के भारी कद के पक्षी होते हैं.

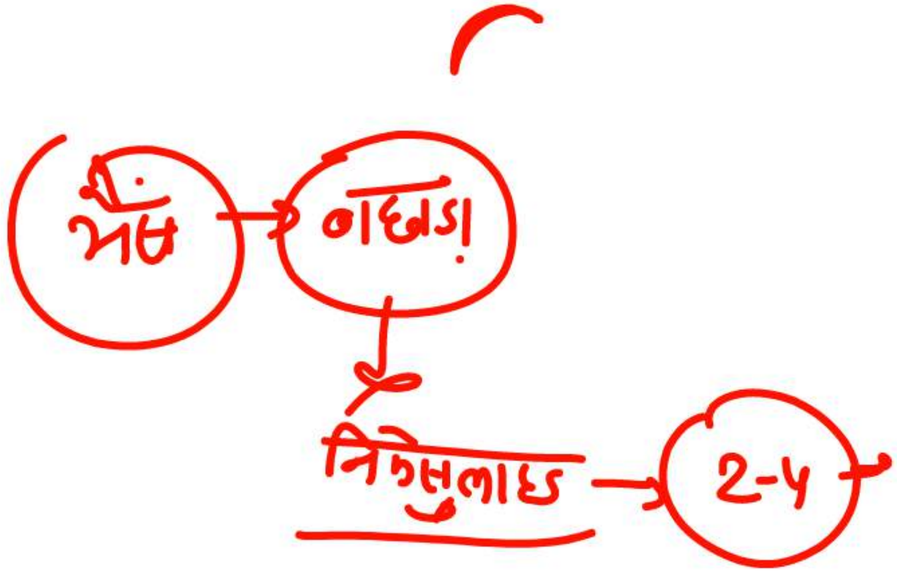

गिद्धों के संरक्षण के लिए निमेसुलाइड पर प्रतिबंध एवं गिद्ध का पर्यावरण में योगदान

Result Mitra

गिद्धों के बारे में कुछ और रोचक बातें:

- गिद्धों की उम्र 40 से 45 साल होती है.
- टर्की गिद्धों की सूंघने की क्षमता इतनी अच्छी होती है कि वे प्राकृतिक गैस कंपनियों को गैस लीक का पता लगाने में मदद करते हैं.
- सफ़ेद पीठ वाले गिद्ध के पंखों का फैलाव 2.25 मीटर तक होता है और इनका वज़न 7 किलोग्राम तक हो सकता है.

गिद्धों के संरक्षण के लिए निमेसुलाइड पर प्रतिबंध एवं गिद्ध का पर्यावरण में योगदान

Result Mitra

गिद्धों के बारे में कुछ और रोचक बातें:

- इनकी पीठ पर एक विशिष्ट सफ़ेद धब्बा होता है.
- इनकी तीखी, हुकदार चोंच मांस को फाड़ने के लिए अनुकूलित होती है.
- इनके शक्तिशाली पंजे उन्हें अपने शिकार को पकड़ने और हेरफेर करने की अनुमति देते हैं.

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और सही उत्तर का चयन करें:

कथन 1: केंद्र सरकार ने पशु चिकित्सा में उपयोग होने वाली निमेसुलाइड दवा पर गिद्धों के संरक्षण के लिए प्रतिबंध लगाया है।

कथन 2: निमेसुलाइड गिद्धों के लिए अत्यधिक विषैली होती है और उनकी घटती संख्या का एक प्रमुख कारण है।

कथन 3: गिद्ध पर्यावरण के स्वच्छता कर्मी के रूप में कार्य करते हैं और बीमारियों के प्रसार को रोकने में मदद करते हैं।

कथन 4: सफ़ेद पीठ वाले गिद्ध के पंखों का फैलाव लगभग 2.25 मीटर तक हो सकता है।

सही विकल्प चुनें:

(A) केवल कथन 1, 2 और 3 सही हैं।

(B) केवल कथन 1 और 4 सही हैं।

(C) केवल कथन 2, 3 और 4 सही हैं।

(D) उपरोक्त सभी कथन सही हैं।

हेनले पासपोर्ट index में भारत का 85वा स्थान

हेनले पासपोर्ट index में भारत का 85वा स्थान

Result Mitra

- हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2025 के अनुसार, भारत की रैंकिंग में गिरावट आई है, और अब यह 85वें स्थान पर पहुंच गया है।
- पिछले वर्ष भारत 80वें स्थान पर था, जिससे यह पांच पायदान नीचे खिसक गया है। इस इंडेक्स के अनुसार, भारतीय पासपोर्ट धारक अब 57 देशों में बिना वीजा के यात्रा कर सकते हैं।

हेनले पासपोर्ट index में भारत का 85वा स्थान

Result Mitra

- इस वर्ष की रैंकिंग में सिंगापुर ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है, जिसके नागरिक 195 देशों में वीजा-मुक्त यात्रा कर सकते हैं।
- जापान दूसरे स्थान पर है, जबकि फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन, फिनलैंड और दक्षिण कोरिया संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं, जिनके पासपोर्ट धारक 192 देशों में वीजा-मुक्त यात्रा कर सकते हैं।

हेनले पासपोर्ट index में भारत का 85वा स्थान

Result Mitra

- दूसरी ओर, पाकिस्तान की रैंकिंग 103वें स्थान पर है, जहां के नागरिक केवल 33 देशों में वीजा-मुक्त यात्रा कर सकते हैं।
- अफगानिस्तान सबसे निचले स्थान पर है, जहां के पासपोर्ट धारक मात्र 26 देशों में वीजा-मुक्त यात्रा कर सकते हैं।
- हेनले पासपोर्ट इंडेक्स की रैंकिंग इस आधार पर तय होती है कि किस देश के पासपोर्ट धारक कितने देशों में वीजा-मुक्त या वीजा-ऑन-अराइवल यात्रा कर सकते हैं।

हेनले पासपोर्ट index में भारत का 85वा स्थान

- इस रैंकिंग के लिए इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (IATA) के डेटा का उपयोग किया जाता है।
- भारतीय पासपोर्ट की रैंकिंग में गिरावट के बावजूद, भारतीय नागरिक अभी भी 57 देशों में वीजा-मुक्त या वीजा-ऑन-अराइवल यात्रा का लाभ उठा सकते हैं, जिनमें भूटान, मालदीव, थाईलैंड, इंडोनेशिया, कतर, केन्या, मॉरीशस, श्रीलंका, फिजी, हैती, अंगोला, बोलिविया आदि शामिल हैं।

हेनले पासपोर्ट index में भारत का 85वा स्थान

Result Mitra

- हेनले पासपोर्ट इंडेक्स की रैंकिंग साल में दो बार जारी की जाती है, जिसमें देशों की वीजा नीतियों में हुए बदलावों को ध्यान में रखा जाता है।

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स के बारे में

- यह इंडेक्स, दुनिया के सभी पासपोर्ट की रैंकिंग करता है.
- इस इंडेक्स में, पासपोर्ट की ताकत का निर्धारण वीज़ा-फ़्री एक्सेस के आधार पर किया जाता है.
- इस इंडेक्स को नले एंड पार्टनर्स कंपनी संकलित और प्रकाशित करती है.
- इस इंडेक्स में, रैंक जितनी ऊंची होती है, पासपोर्ट उतना ही मज़बूत होता है.

इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (IATA)

- इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (IATA) दुनिया भर की एयरलाइनों का व्यापार संघ है. यह एयरलाइन उद्योग का नेतृत्व करता है और विमानन से जुड़े कई मुद्दों पर नीतियां बनाता है. IATA की स्थापना 19 अप्रैल, 1945 को क्यूबा के हवाना में हुई थी.

इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (IATA)

IATA के काम:

- एयरलाइनों की ओर से वकालत करना
- मनमाने कानूनों और शुल्कों को चुनौती देना
- नियामकों और सरकारों को जवाबदेह ठहराना
- जिम्मेदार विनियमन के लिए काम करना
- हवाई यातायात से जुड़े मुद्दों पर नीतियां बनाना

Result Mitra

इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (IATA)

IATA के काम:

- मानक प्रथाएं स्थापित करना
- ट्रैवल एजेंटों को मान्यता देना
- हवाई परिवहन उद्योग को सूचनाएं देना

IATA का मुख्यालय मॉन्ट्रियल, कनाडा में है. इसके अलावा, इसके कार्यालय बीजिंग, सिंगापुर, अम्मान, मैड्रिड, और मियामी में भी हैं.

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और सही उत्तर का चयन करें:

कथन 1: हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2025 के अनुसार, भारत की रैंकिंग 85वें स्थान पर है, जो पिछले वर्ष 80वें स्थान पर थी।

कथन 2: हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में रैंकिंग देशों के पासपोर्ट धारकों के वीजा-मुक्त यात्रा करने वाले देशों की संख्या के आधार पर निर्धारित की जाती है।

कथन 3: इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (IATA) हेनले पासपोर्ट इंडेक्स के लिए डेटा प्रदान करता है।

कथन 4: इस वर्ष सिंगापुर ने हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है, जिसके नागरिक 195 देशों में वीजा-मुक्त यात्रा कर सकते हैं।

सही विकल्प चुनें:

(A) केवल कथन 1, 2 और 3 सही हैं।

(B) केवल कथन 2, 3 और 4 सही हैं।

(C) केवल कथन 1, 3 और 4 सही हैं।

(D) उपरोक्त सभी कथन सही हैं।

Result Mitra

13 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे जेड-मोड टनल का उद्घाटन

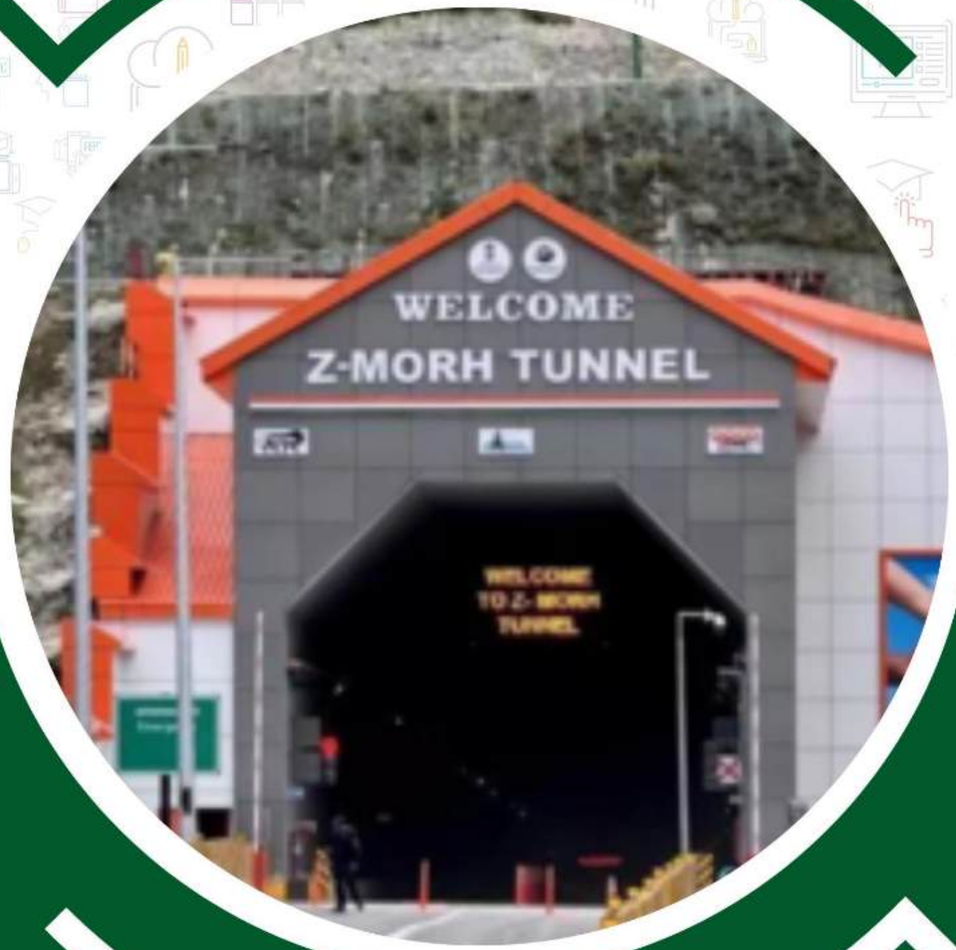

13 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे जेड-मोड टनल का उद्घाटन

Result Mitra

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 जनवरी 2025 को जम्मू-कश्मीर के गगनगीर सोनमर्ग में स्थित जेड-मोड़ टनल का उद्घाटन करेंगे। यह सुरंग श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर स्थित है और इसकी लंबाई 6.5 किलोमीटर है।
- जेड-मोड़ टनल का निर्माण रणनीतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह कश्मीर के सोनमर्ग और लद्दाख के बीच सालभर निर्बाध संपर्क सुनिश्चित करेगी।

13 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे जेड-मोड टनल का उद्घाटन

Result Mitra

- इससे पहले, सर्दियों के महीनों में भारी बर्फबारी के कारण यह मार्ग अवरुद्ध हो जाता था, जिससे स्थानीय निवासियों और सैन्य बलों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

13 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे जेड-मोड टनल का उद्घाटन

Result Mitra

- इस परियोजना का उद्घाटन क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यटन और व्यापार के अवसरों को भी प्रोत्साहित करेगा। सुरंग के निर्माण के दौरान आतंकवादी हमलों के बावजूद, यह परियोजना सफलतापूर्वक पूर्ण हुई है, जो सुरक्षा बलों और निर्माण दल की दृढ़ता का प्रमाण है।
- जेड-मोड़ टनल के उद्घाटन के साथ, क्षेत्र में आवागमन सुगम होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

सोनमर्ग में घूमने वाली जगह

सोनमर्ग में घूमने के लिए कई जगहें हैं, जिनमें ग्लेशियर, झीलें, दर्रे, और बाज़ार शामिल हैं. सोनमर्ग में घूमने की कुछ बेहतरीन जगहें ये रहीं:

थजीवास ग्लेशियर

- यह ग्लेशियर सोनमर्ग शहर से करीब 7 किलोमीटर दूर है. सर्दियों में यह बर्फ़ से ढका रहता है. यहां स्लेजिंग और बर्फ़ पर चढ़ाई की जा सकती है.

सोनमर्ग में घूमने वाली जगह

विशनसर झील

- यह झील समुद्र तल से करीब 3710 मीटर की ऊंचाई पर है. यहां तक पहुंचने के लिए ट्रेकिंग करनी पड़ती है.

कृष्णसर झील

- यह झील बर्फ़ से ढके पहाड़ों की पृष्ठभूमि में है. यहां कैंपिंग की जा सकती है.

Result Mitra

सोनमर्ग में घूमने वाली जगह

ज़ोजी-ला दर्रा

- यह दर्रा सोनमर्ग से करीब 15 किलोमीटर दूर है. यह सड़क परिवहन के लिए सबसे ऊंचे दर्रों में से एक है.

बालटाल ग्लेशियर

- यह ग्लेशियर सोनमर्ग से करीब 15 किलोमीटर दूर है. यहां ट्रैकिंग की जा सकती है.

Result Mitra

सोनमर्ग में घूमने वाली जगह

सिंध नदी

- यह नदी सोनमर्ग से होकर बहती है. इसके किनारे पिकनिक मनाई जा सकती है.

Result Mitra

पहलगाम, गुलमर्ग, और सोनमर्ग, कश्मीर के प्रमुख पर्यटन स्थल हैं:

गुलमर्ग

- बर्फ़बारी के लिए मशहूर गुलमर्ग, भारत के बेहतरीन स्कीइंग स्थलों में से एक है.
- यहां गोंडोला राइड, गोल्फ़ कोर्स, इग्लू कैफ़े, और ग्लास इग्लू रेस्टोरेंट जैसी कई चीज़ें देखने को मिलती हैं. गुलमर्ग में बर्फ़ के ढलानों पर स्कीइंग करने के साथ-साथ, यहां से हिमालय की चोटियां भी देखी जा सकती हैं.

पहलगाम, गुलमर्ग, और सोनमर्ग, कश्मीर के प्रमुख पर्यटन स्थल हैं:

सोनमर्ग

- घास के मैदान, ग्लेशियर, और अल्पाइन झीलें, सोनमर्ग की खासियतें हैं. यहां ट्रैकिंग, स्कीइंग, और मछली पकड़ने जैसी कई गतिविधियां की जा सकती हैं.

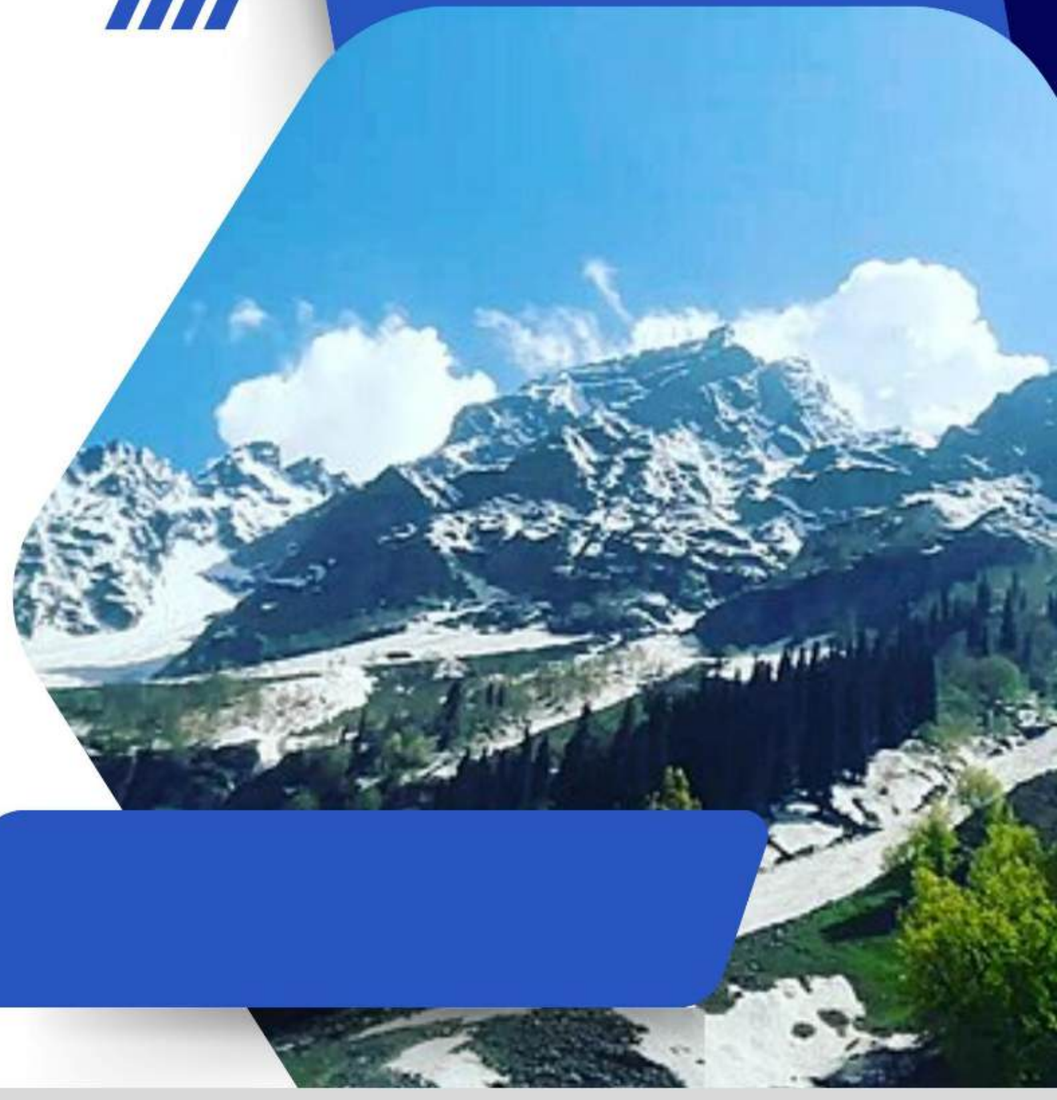

Result Mitra

पहलगाम, गुलमर्ग, और सोनमर्ग, कश्मीर के प्रमुख पर्यटन स्थल हैं:

पहलगाम

- लिद्दर नदी में रिवर राफ़्टिंग और ट्राउट मछली पकड़ने का आनंद लेने के लिए पहलगाम जाना अच्छा रहता है. पहलगाम को 'चरवाहों की घाटी' भी कहा जाता है.

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और सही उत्तर का चयन करें:

कथन 1: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 जनवरी 2025 को जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग में स्थित जेड-मोड़ टनल का उद्घाटन करेंगे।

कथन 2: जेड-मोड़ टनल की लंबाई 6.5 किलोमीटर है और यह श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर स्थित है।

कथन 3: जेड-मोड़ टनल का निर्माण मुख्य रूप से सर्दियों के महीनों में भारी बर्फबारी से प्रभावित मार्ग के लिए किया गया था।

कथन 4: सोनमर्ग में विशनसर झील 3710 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है, जिसे ट्रेकिंग करके पहुँचा जा सकता है।

सही विकल्प चुनें:

(A) केवल कथन 1, 2 और 3 सही हैं।

(B) केवल कथन 1, 2 और 4 सही हैं।

(C) केवल कथन 2, 3 और 4 सही हैं।

(D) उपरोक्त सभी कथन सही हैं।

Result Mitra

Thank You